

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ..... पंजाब के सरी  
 दिनांक ।.३।।१२।।२०१९। पृष्ठ सं ।३। कॉलम ।।५।

## हकूमि के कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने स्विट्जरलैंड के शीर्ष संस्थान का किया शैक्षणिक दौरा

हिसार, 12 दिसम्बर (ब्लूरो):  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के वरिष्ठ कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों, डा. सरेन्द्र सिंह धनखड़ एवं डा. राज सिंह ने स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख स्थित ई.टी.एच. स्विस फैडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी संस्थान का दो सप्ताह का शैक्षणिक दौरा किया। यह शैक्षणिक दौरा भारत सकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग (स्पार्क) को बढ़ावा देने की योजना के तहत हकूमि में परिचालित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत किया गया। अनुसंधान परियोजना के प्रधान

अन्वेषक डा. सुलेन्द्र धनखड़ के नेतृत्व में कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों की टीम ने स्विस फैडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी की अकादमिक यात्रा के दौरान कृषि मौसम विज्ञान तकनीकों के माध्यम से जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट खेती को बढ़ावा देने वारे इंडो स्विस सहयोगी स्पार्क अनुसंधान परियोजना के तहत संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। विशेषज्ञों की टीम ने स्विट्जरलैंड में अन्यत्र स्थित विस्तार और अनुसंधान स्थलों का दैरा करते समय जलवायु अनुकूल खेती के लिए प्रासांगिक चारा एवं फसली प्रायोगिक प्रक्षेत्रों में प्रयुक्त जलवायु स्मार्ट भूमि प्रबंधन



कृषि मौसम वैज्ञानिक स्विट्जरलैंड में कार्य करते हुए।

अवधारणाओं की प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रमुख जलवायु प्रासंगिक ग्रीन हाऊस गैसों जैसे कार्बन आक्साइड, मिथेन व नाइट्रोज़ान ऑक्साइड के प्रवाह के सही मापन व सम्बंधित तकनीकों का अध्ययन किया।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

पैन माइक्रो

दिनांक १३.१२.२०१९

पृष्ठ सं ६

कॉलम १-२

## ग्रीन हाउस गैसों के मूल्यांकन की नई तकनीक जानने स्विट्जरलैंड पहुंचे एचएयू के दो साइंटिस्ट

भारतीय न्यूज | हिसार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों, डॉ. सुरेन्द्र सिंह धनखड़ एवं डॉ. राज सिंह ने स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख स्थित ईएचटी स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी संस्थान का दो सप्ताह का शैक्षणिक दौरा किया। यह शैक्षणिक दौरा भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना के तहत एचएयू में परिचालित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत किया गया।

अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. सुरेन्द्र धनखड़ के नेतृत्व में कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों की टीम ने स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की अकादमिक यात्रा के दौरान कृषि मौसम विज्ञान तकनीकों के माध्यम से जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट खेती को बढ़ावा देने वारे इंडो स्विस सहयोगी स्पार्क अनुसंधान परियोजना के तहत संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों में हिस्सा लिया।

विशेषज्ञों की टीम ने स्विट्जरलैंड में अन्यत्र स्थित विस्तार और अनुसंधान स्थलों का दौरा करते समय जलवायु अनुकूल खेती के लिए प्रासंगिक चारा एवं फसली प्रायोगिक प्रक्षेत्रों में प्रयुक्त जलवायु स्मार्ट भूमि प्रबंधन अवधारणाओं की प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रमुख जलवायु प्रासंगिक ग्रीन हाउस गैसों जैसे कार्बनऑक्साइड, मिथेन व नाइट्रोजन ऑक्साइड के प्रवाह के सही मापन व संबंधित तकनीकों का अध्ययन किया। दोनों कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने स्विट्जरलैंड के फ्रीबर्ग विश्वविद्यालय में प्रायोजित 17वीं स्विस भू-विज्ञान की वार्षिक संगोष्ठी में हिस्सा लिया।

लोक संघर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दैरी : भागी

दिनांक । ३। । १२। २०१९

पृष्ठ सं । १२

कॉलम । ३

## हक्कि के कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने स्विट्जरलैंड के संस्थानों का दौरा किया

हारिगौन न्यूज ► हिसार

हक्कि के वरिष्ठ कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों, डॉ. सुरेन्द्र सिंह धनखड़ एवं डॉ. राजसिंह ने स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख स्थित ईटीएच स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी संस्थान का दो सप्ताह का शैक्षणिक दौरा किया। यह शैक्षणिक दौरा सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तप्रवित शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग स्पार्क को बढ़ावा देने की योजना के तहत हक्कि में परिचालित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत किया गया।

अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. सुरेन्द्र धनखड़ के नेतृत्व में कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों की टीम ने स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की अकादमिक यात्रा के दौरान कृषि मौसम विज्ञान तकनीकों के माध्यम से जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट खेती को बढ़ावा देने वारे ईडो स्विस सहायोगी स्पार्क अनुसंधान परियोजना के तहत संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। विशेषज्ञों की टीम ने स्विट्जरलैंड में अन्यत्र स्थित विस्तार और अनुसंधान स्थलों का दौरा करते समय जलवायु अनुकूल खेती के लिए प्रासांगिक चारा एवं फसली प्रायोगिक प्रक्षेत्रों में



प्रयुक्त जलवायु स्मार्ट भूमि प्रबंधन अवधारणाओं की प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रमुख जलवायु प्रासंगिक ग्रीनहाऊस गैसों जैसे कार्बनआक्साइड, मिथेन व नाइट्रोस ऑक्साइड के प्रवाह के सही मापन व सम्बंधित तकनीकों का अध्ययन किया। दोनों कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने स्विट्जरलैंड के फ्रीबर्ग विश्वविद्यालय में प्रायोजित 17 वर्षीय स्विस भ-विज्ञान की वार्षिक संगोष्ठी में भाग लिया। ईटीएच, ज्यूरिख के अपने प्रवास के दौरान, वैज्ञानिकों ने हक्कि के स्नातकोत्तर छात्रों की आगले शैक्षणिक सत्र के दौरान स्विट्जरलैंड में अकादमिक यात्रा एवं ईटीएच ज्यूरिख के अपने समकक्ष प्रोफेसर वेनर व प्रोफेसर मना के हिसार की अकादमिक यात्रा के प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा की।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... नैनि जाग २७  
दिनांक १.८.१२ : २०१५ पृष्ठ सं १६ कॉलम ६.७

## स्विट्जरलैंड गए वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन को समझा



स्विट्जरलैंड में कार्य करते कृषि प्रौद्योगिक वा. सुरेन्द्र धनखड वा. राजसिंह । ० एप्रैल  
ब्राह्मण संसाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक विशेषज्ञों डा. सुरेन्द्र सिंह धनखड एवं डा. राज सिंह ने स्विट्जरलैंड में जूर्याख स्थित ईंटीएच सिव्स फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी संस्थान का दो सप्ताह का शैक्षणिक दौरा किया। इसमें वैज्ञानिकों ने बहां रिसर्च सेटर्स में जलवायु अनुकूल सेती के लिए प्रासारिक चारा एवं फसली प्रारंभिक प्रक्षेत्रों में प्रयुक्त जलवायु स्पार्ट भूषि प्रबंधन अवधारणाओं की प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रमुख जलवायु प्रासारिक ग्रौ-हाऊस गैसों जैस कार्बनआक्साइड, पिथेन व नाइट्रोज़ोक्साइड के प्रवाह के सही मापन व सम्बन्धित तकनीकों का अध्ययन किया।

जलवायु अनुकूल एवं स्पार्ट खेती पर दिवा जोर अनुसंधान परियोजना के प्रयान अन्वेषक डा. सुरेन्द्र के नेतृत्व में जूर्याख मौसम विज्ञान विशेषज्ञों की टीम ने स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की अकादमिक यात्रा के दौरान जलवायु अनुकूल एवं स्पार्ट खेती को बढ़ावा देने वाली विस सहवारी स्पार्ट अनुसंधान परियोजना के तहत संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। दोनों कृषि वैज्ञानिक दैजानिकों ने स्विट्जरलैंड के प्रीवर्स दिल्ली विद्यालय में प्रायोजित १७वीं रिसर्च भू-विज्ञान की विशेषिक सम्मेलनी में भाग लिया।

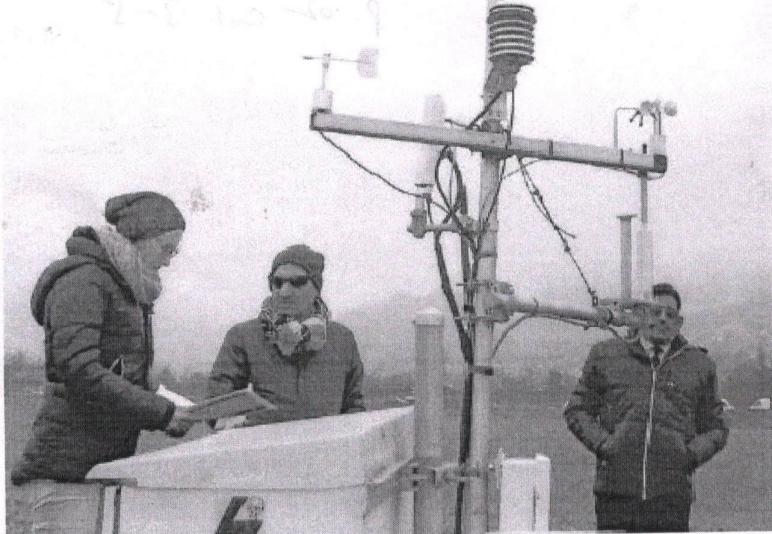
लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... सिटी प्रैस  
दिनांक. 12. 12. 2012 पृष्ठ सं. 2 कॉलम. ५

## हकूमि के कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने स्विट्जरलैंड के शीर्ष संस्थान का शैक्षणिक दौरा किया

सिटी प्रैस न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों, डॉ. सरेद सिंह धनबड़ एवं डॉ. गज सिंह ने स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख स्थित इटीएच स्विस फैडरल इंस्टीट्यूट और टेक्नोलॉजी संस्थान का दो मसाह का शैक्षणिक दौरा किया। यह शैक्षणिक दौरा भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित शैक्षणिक और अनुसंधान महायोग (स्पार्क) को बढ़ावा देने की योजना के तहत हकूमि में परिचालित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत किया गया।

अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. सुरेन्द्र धनबड़ के नेतृत्व में कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों की टीम ने स्विस फैडरल इंस्टीट्यूट और टेक्नोलॉजी की अकादमिक यात्रा के दौरान कृषि मौसम विज्ञान तकनीकों के माध्यम से जलवायु अनुकूल एवं स्पार्ट खेतों को बढ़ावा देने वारे इंडो स्विस सहायोगी स्पार्क अनुसंधान परियोजना के तहत सबधित शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। विशेषज्ञों की टीम ने स्विट्जरलैंड में अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थी और अनुसंधान स्थलों का दौरा करते समय जलवायु अनुकूल खेतों के लिए प्रायोगिक चारा एवं फसलों प्रायोगिक प्रश्नों में प्रयुक्त जलवायु स्पार्ट भूमि प्रबंधन अवधारणाओं की प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रमुख जलवायु प्रायोगिक ग्रीनहाउस गैसों जैसे कार्बनआक्साइड, मिथेन



हिसार। कृषि मौसम वैज्ञानिक स्विट्जरलैंड में कार्य करते हुए।

व नाइट्रस ऑक्साइड के प्रवाह के सहा मापन व सम्बद्धित तकनीकों का अध्ययन किया।

दोनों कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने स्विट्जरलैंड के फ्रीबर्ग विश्वविद्यालय में प्रायोजित 17वीं स्विस भू-विज्ञान की वार्षिक मणिधर्मी में भाग लिया जहाँ उन्होंने खुले विज्ञान सत्र में सबधित शोध प्रस्तुतियों देकर अपना योगदान दिया।

इटीएच, ज्यूरिख के अपने प्रवास के दौरान वैज्ञानिकों ने हकूमि के सातकोत्तर छात्रों की आगामी शैक्षणिक सत्र के दौरान स्विट्जरलैंड में अकादिक यात्रा एवं इटीएच ज्यूरिख के अपने समकक्ष प्रोफेसर वर्नर व प्रोफेसर मना के हिसार की अकादमिक यात्रा के प्रायोगिक मुद्दों पर चर्चा की।

# लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... नं० ८५. द्यो  
दिनांक १२. १२. २०१९ पृष्ठ सं. ३ कॉलम ७-८

हकृति के कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने स्विट्जरलैंड का शैक्षणिक दौरा किया



हिसार/12 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों, डॉ. सुरेन्द्र सिंह धनखड़ एवं डॉ. राज सिंह ने स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख स्थित ईटीएच स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी संस्थान का दो सप्ताह का शैक्षणिक दौरा किया। यह शैक्षणिक दौरा भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग (स्पार्क) को बढ़ावा देने की योजना के तहत हुक्मिय में परिचालित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत किया गया। अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. सुरेन्द्र धनखड़ के नेतृत्व में कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञों की टीम ने स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की अकादमिक यात्रा के दौरान कृषि मौसम विज्ञान तकनीकों के माध्यम से जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट खेती को बढ़ावा देने वारे इंडो स्विस सहायोगी स्पार्क अनुसंधान परियोजना के तहत सबधित शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। विशेषज्ञों की टीम ने

स्विट्जरलैंड में अन्यत्र स्थित विस्तार और अनुसंधान स्थलों का दौरा करते समय जलवायु अनुकूल खेती के लिए प्रासांगिक चारा एवं फसलीं प्रायोगिक प्रक्षेत्रों में प्रयुक्त जलवायु स्मार्ट भूमि प्रबंधन अवधारणाओं की प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रमुख जलवायु प्रासांगिक ग्रीनहाऊस गैसों जैसे कार्बनआक्साइड, मिथेन व नाइट्रोजन ऑक्साइड के प्रवाह के सही मापन व सम्बंधित तकनीकों का अध्ययन किया। दोनों कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने स्विट्जरलैंड के फ्रीबर्ग विश्वविद्यालय में प्रायोजित 17वीं स्विस भू-विज्ञान की वार्षिक संगोष्ठी में भाग लिया जहां उन्होंने खुले विज्ञान सत्र में संबंधित शोध प्रस्तुतियां देकर अपना योगदान दिया। ईटीएच, ज्यूरिख के अपने प्रवास के दौरान, वैज्ञानिकों ने हक्किंग के स्नातकोत्तर छात्रों की अगले शैक्षणिक सत्र के दौरान स्विट्जरलैंड में अकादिक यात्रा एवं ईटीएच ज्यूरिख के अपने समकक्ष प्रोफेसर वैनर व प्रोफेसर मना के हिसार की अकादिमिक यात्रा के प्रासांगिक मुद्रदों पर चर्चा की।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक जागरूक  
दिनांक ।.३।.१२।.२०१९ पृष्ठ सं।.७ कॉलम।.३५

## एचएयू मार्ट का समय बदला, अब सायं साढे चार बजे से सात बजे तक खुलेगा केंद्र

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ स्वावलंबन बनाने की दृष्टि से स्थापित एचएयू मार्ट के समय में परिवर्तन किया गया है। मौसम में बदलाव की वजह से अब एचएयू मार्ट का खुलने का समय अब सायं साढे ४ से ७ बजे हो गया है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें सक्षम बनाने व उनके कौशल विकास के उद्देश्य से सीखो और कमाऊ (ईएलपी) प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके तहत बेरोजगार छात्र नौकरी मांगने वालों की बजाय नौकरी देने वाले बन सकेंगे। एचएयू मार्ट एकमात्र ऐसा विक्रय केन्द्र है, जहां विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पाद जैसे बिस्कुट, केक, मर्फिस, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, शहद, मौसमी फलों का जूस, सजावटी



एचएयू मार्ट पर खरीदारी करते उपभोक्ता। • एचएयू

पौधे, सब्जियों की पौध, जैविक पालक, मूली तथा मक्की, जैविक खाद इत्यादि भरपूर मात्रा में विक्रय के लिए उपलब्ध रहते हैं। इनके अतिरिक्त कंप्यूटरीकृत कदाई द्वारा तैयार की गई चादरें, तकिए के कवर, कुशन कवर, बैग तथा बेबी शीट इत्यादि भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। कृषि संबंधित विभिन्न व्यवसाय जैसे मक्की पालन, मशरूम उत्पादन आदि

की जानकारी के लिए तैयार की गई सीड़ी भी मिलती है। मार्ट पर उपलब्ध विभिन्न उत्पादों की उत्साहजनक बिक्री को देखते हुए विद्यार्थियों को इसे चलाने में बहुत प्रेरणा मिलती है। ग्राहकों द्वारा दी जाने वाली प्रतिक्रियाएं भी विद्यार्थियों को और अधिक उत्साहित करती हैं। ग्राहक अपनी आवश्यकतानुसार ऑर्डर पर भी समान तैयार करवा सकते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... प्रीनक मार्ट  
दिनांक । ३ । १२ । २०१९ पृष्ठ सं । । कॉलम । ३ ।



एचएयू के मार्ट में खरीदारी करते लोग।

हिसार | एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह के दिशा-निर्देश अनुसार विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ स्वावलंबन बनाने की दृष्टि से स्थापित एचएयू मार्ट के समय में परिवर्तन किया गया है। मौसम में बदलाव की वजह से अब एचएयू मार्ट का खुलने का समय अब शाम 4:30 से 7:00 बजे हो गया है। प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें सक्षम बनाने व उनके कौशल विकास के उद्देश्य से इस प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके तहत बेरोजगार छात्र नौकरी मांगने वालों की बजाए नौकरी देने वाले बन सकेंगे। ग्राहक अपनी आवश्यकतानुसार ऑर्डर पर भी सामान तैयार करवा सकते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दीर्घभूमि

दिनांक । ३। । १२। । २०१९। पृष्ठ सं । १५। कॉलम । ५-६।

## एचएयू मार्ट के समय में परिवर्तन अब शाम को ढाई घंटे खुला रहेगा

हारियाणा न्यूज डिसाइन



हकूमि में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ स्वावलंबन बनाने की दृष्टि से स्थापित एचएयू मार्ट के समय में परिवर्तन किया गया है।

मौसम में बदलाव की वजह से अब एचएयू मार्ट का खुलने का समय अब शाम 4:30 से 7:00 बजे हो गया है। कुलपति के प्रे. कपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें सक्षम बनाने व उनके कौशल विकास के उद्देश्य से सीखो और कमाऊं ईश्लपी प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके तहत बेरोजगार छात्र

खाद इत्यादि भरपूर मात्रा में विक्रय के लिए उपलब्ध रहते हैं।

कम्प्यूटरीकृत कदाई द्वारा तैयार की गई चादरें, तकिए के कवर, कुशन कवर, बैग तथा बेबी शीट इत्यादि भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। कृषि सब्बीधित विभिन्न व्यवसाय जैसे बक्खी पालन, मशरूम उत्पादन आदि की जानकारी के लिए तैयार की गई सीढ़ी भी मिलती है। मार्ट पर उपलब्ध विभिन्न उत्पादों की उत्साहजनक बिक्री को देखते हुए विद्यार्थियों को इसे चलाने में बहुत प्रेरणा मिलती है। ग्राहक अपनी आवश्यकतानुसार आईर पर भी समान तैयार करवा सकते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... हरियाणा ला.  
दिनांक ।.३.।२. २०१९ पृष्ठ सं । कॉलम ।



लोक संपर्क कार्यालय  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... नंभ. चौर  
दिनांक 12.12.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 5.8

# एचएयू मार्ट : विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए उत्पादों का एक मात्र विक्रय केन्द्र

हिसार/12 दिसंबर/रिपोर्टर

विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ स्वावलंबन बनाने की दृष्टि से स्थापित एचएयू मार्ट के समय में परिवर्तन किया गया है। मौसम में बदलाव की वजह से अब एचएयू मार्ट का खुलने का समय अब शाम 4:30 से 7:00 बजे हो गया है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हे सक्षम बनाने व उनके कौशल विकास के उद्देश्य से सीखो और कमाओ (ईएलपी) प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके तहत बेरोजगार छात्र नौकरी मांगने वालों की बजाए नौकरी देने वाले बन सकेंगे। हक्किं का एचएयू मार्ट एकमात्र ऐसा विक्रय केन्द्र है जहां विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पाद जैसे बिस्कुट, केक, मर्फिस, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, शहद,



मौसमी फलों का जूस, सजावटी पौधे, सब्जियों की पौधे, जैविक पालक, मूली तथा मक्की, जैविक खाद इत्यादि भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। कृषि सर्वथित विभिन्न व्यवसाय जैसे मक्की पालन, मशरूम उत्पादन आदि की जानकारी के लिए तैयार की गई सीढ़ी भी मिलती है। मार्ट पर उपलब्ध विभिन्न उत्पादों की उत्साहजनक बिक्री को देखते हुए विद्यार्थियों को इसे चलाने में बहुत प्रेरणा मिलती है। ग्राहकों द्वारा दी जाने वाली प्रतिक्रियाएं भी विद्यार्थियों को और अधिक उत्साहित करती है। ग्राहक अपनी आवश्यकतानुसार आर्डर पर भी समान तैयार करवा सकते हैं।

# लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... सिटी प्रेस .....  
दिनांक १२. १२. २०१९ पृष्ठ सं २ कॉलम ६७

एचएयू मार्टः विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए उत्पादों का एक मात्र विक्रय केन्द्र



हिस्पार। एचएव्य मार्ट पर खरीदारी करते हए उपभोक्ता।

स्टीटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति पो. केपी सिंह, के दिशा-निर्देश अनुसार विश्वविद्यालय के पढ़ाई के साथ स्वाच्छाबन्धन बनाने की ट्राई से स्थापित एचएमू मार्ट के समय में परिवर्तन किया गया है। नीसम में बदलाव की जगह से आवण्हा एमू मार्ट का खुलने का समय अब शाम 4:30 से 7:00 बजे हो गया है। पो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को प्रार्थना प्रदान करने और उनके संथान बनाने व उनके कोशल विकास के उद्देश्य से सही ओर करनामों (इलायी) प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके तहत बेहजगार छात्र नौकरी लागने वालों की जगह नौकरी देने वाले बन सकेंगे। हक्की का एचएमू मार्ट एकमात्र ऐसा विक्रय केंद्र है जहाँ विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पाद जैसे बिस्किट और दारोफूर इल्ली पाउडर

गणिया पाउडर, शहद, नीसारी कफों का जूस, सजावटी पौधे, सब्जियों की पौध, जैविक पालक, मूली तथा नवयन, जैविक खाद इत्यादि अपारंपारिक जाग्रा में विक्रय के लिए उपलब्ध होते हैं। इनके अतिरिक्त कम्प्यूटरीकृत कठाई द्वारा तेयार की गई यादें, तकिए के कठर, कुशन कठर, बैग तथा बैंशी शीट इत्यादि भी एपुरु जाग्रा में उपलब्ध हैं। कुमी सब्जियों विभिन्न व्यवसायों ने जरूरी पालन, मराणुन उत्पादन आदि की जानकारी के लिए तेयार की गई सी.डी. भी जिलती है।

मार्ट एवं उपलब्ध विभिन्न उत्पादों की उत्साहजनक विक्री को देखते हुए विवारियों को इसे बचाने में बहुत प्रेरणा मिलती है। गाहकों द्वारा दौ जाने वाली प्रतिक्रिया भी विवारियों को और अधिक उत्साहित करती है। गाहक अपनी आवश्यकतानुसार आईर एवं भी सुमान तेयार करता सकते हैं।